अमरकुण्ड : पिछोला का असली हद सिताब पोल (सीता पोल–सत्ता पोल) एवं चाँदपोल पुलिया के मध्य का क्षेत्र अमरकुण्ड के नाम से ऐतिहासिक तथ्यों में पढ़ने को मिलता है एवं वर्तमान में जोधसिंह पुलिया (दायजीराज पुलिया) तक थी। मेवाड़ रॉयल कोर्ट के मुख्यमंत्री श्री अमरचंद बड़वा ने इसे बनवाया था, जिसके चारों तरफ पक्के घाट व उनमें फव्वारें लगे हुए थे। पूर्व और पश्चिम के घाट तो इस समय भी मौजूद हैं और दक्षिण व उत्तर की तरफ बने ओट को तुड़वाकर महाराणा सज्जन सिंह जी ने पिछोला में शामिल कर दिया।

कुण्ड के उत्तरी छोर के ओट के अवशेष अभी भी दिखते हैं। 16 मई, 2019 को लिये गये चित्र में यह झील मैदान के रूप में दृष्टिगत होती है। इसे गहरा कर उसका मूल स्वरूप अगर दिखने लगे तो ऐतिहासिक एवं दर्शनीय दृष्टि से उचित होगा। कुण्ड के पूर्व एवं पश्चिमी दिशा के घाटों का जीर्णोद्धार किया जा रहा है। इस कार्य की गुणवत्ता में सुधार के साथ इन कार्यों को दक्ष शिल्पकारों से कराया जाता तो अधिक उचित होता।

इस झील के पूर्वी छोर पर दीवार के साथ लोहे की जाली लगाने से यह झील अधिक दर्शनीय हो गयी है। इसके अतिरिक्त अमरकुण्ड के पश्चिमी छोर के किनारे दीवार पर बनाई गई ग्रीन वॉल इस झील की सुन्दरता की अभिवृद्धि में एक महत्वपूर्ण पड़ाव रहा है। इस कार्य में काफी धन एवं श्रम लगा, लेकिन इसके समुचित देखरेख के अभाव में इसका हाल बेहाल हैं। अमरकुण्ड किनारे बनाई गई इस ग्रीन वॉल के साथ इसके रखरखाव, सुरक्षा, पुनः पौधारोपण आदि सभी पहलुओं पर भी पर्याप्त ध्यान इसके नियोजन व निर्माण से पूर्व दिया जाना चाहिये अन्यथा यह समस्त खर्च एवं प्रयास व्यर्थ हो जाने के साथ ही आमजन में भी इसका गलत संदेश जाता है।

श्री अमरचंद बड़वा ने 18वीं शताब्दी में बागोर की हवेली बनाई थी। यह हवेली पिछोला झील के गणगौर घाट के मंच पर स्थित है। हवेली की शानदार वास्तुकला में नाजुक नक्काशीदार काम और उत्कृष्ट कांच का काम है। श्री अमरचंद बड़वा ने अपने जीवनकाल में अमरकुण्ड का निर्माण किया था।

पिछोला : दायजीराज पुलिया से – अमरकुण्ड एवं चाँदपोल पुलिया – जगाजगेश्वर महादेव एवं भीम परमेश्वर महादेव

अमरकुण्ड के पूर्वी छोर पर लगाई गई ग्रीन हेज (वर्टिकल गार्डन) रखरखाव के अभाव में अपना अस्तित्व खो चुका है।

चाँदपोल एवं दायजीराज की पुलिया के मध्य स्थित अमरकुण्ड जब पानी से पूर्णतया लबालब हो जाता है तो इसकी भव्यता का नजारा अद्भुत हो जाता है। अमरकुण्ड की जल सतह काई से ढ़की हुई न रहे एवं नियमित सफाई के साथ सिवरेज का पानी भी इसमें समाहित न हो। इस हेतु इसमें फ्लोटिंग फव्वारें स्थापित किये जाने चाहिये जिससे इस कुण्ड की सुन्दरता में अभिवृद्धि के साथ जल में ऑक्सीजन भी पर्याप्त मात्रा में उपलब्ध रहेगी।

कुम्हारिया तालाब : यह झील मुख्य पिछोला के उत्तर में ब्रह्मपोल एवं अम्बापोल स्थित पुलिया के मध्य स्थित है। इसके एक तरफ शहरकोट है एवं दूसरी ओर नियमित आबादी क्षेत्र है। इस झील का जल सर्वाधिक प्रदूषित है। इसमें हर प्रकार की गन्दगी, सीवरेज लाइन के रिसाव आदि निरन्तर समाहित हो रहे हैं। अन्य झीलों के प्रदूषण का मुख्य स्रोत भी यह झील ही है। ब्रह्मपोल के पास अवरोध के कारण पिछोला के जल का नियमित बहाव नहीं होता। अत्यन्त गन्दगी के कारण जलीय जीवों के अभाव एवं अवांछनीय वनस्पति की अधिकता से प्रायः यह झील वर्षभर जलकुम्भी, काई एवं अन्य खरपतवार से ढकी रहती है, जिसे नियमित रूप से हटाने के कोई सार्थक प्रयास नहीं किये जा रहे हैं। यह अवांछित जलीय खरपतवार ठेकेदारों के माध्यम से जब तक एक क्षेत्र से हटायी जाती है तब तक दूसरे क्षेत्र में पुनः प्रस्फुटित हो जाती है। कारण यह है कि इस खरपतवार को पोषक तत्त्वों से भरपूर गन्दा पानी नियमित रूप से मिलता रहता है।

कुम्हारिया तालाब का जल स्तर गर्मियों में पिछोला एवं रंगसागर से ऊँचा होता है। गन्दा पानी अम्बापोल पुलिया के मेहराब से रंगसागर एवं स्वरूप सागर में समाहित होता है जो इन झीलों को भी प्रदूषित करता है। इससे इन झीलों का जल स्तर बढ़ता है एवं यदा–कदा रंग सागर का प्रदूषित पानी पिछोला की ओर उल्टा भी बहता है एवं पिछोला का पानी भी इससे प्रदूषित होता है। चांदपोल, अम्बापोल एवं ब्रह्मपोल के मध्य रियासतकाल से बसी अनेक बस्तियाँ चारों ओर से पानी, दक्षिण–पश्चिम में पिछोला, दक्षिण–पूर्व में पिछोला–अमरकुण्ड, उत्तर में कुम्हारिया तालाब एवं रंगसागर तालाब से घिरी हुई हैं। यह तालाब रियासतकाल की अद्वितीय कृति है लेकिन इसके रख–रखाव एवं नियोजित विकास पर पूर्ण ध्यान नहीं दिया गया है। इस तालाब को यदि पूर्ण विकसित कर दिया जावे तो पर्याप्त जल भराव की स्थिति में यह किसी भी रूप में वेनिस से कम नहीं दिखेगा।

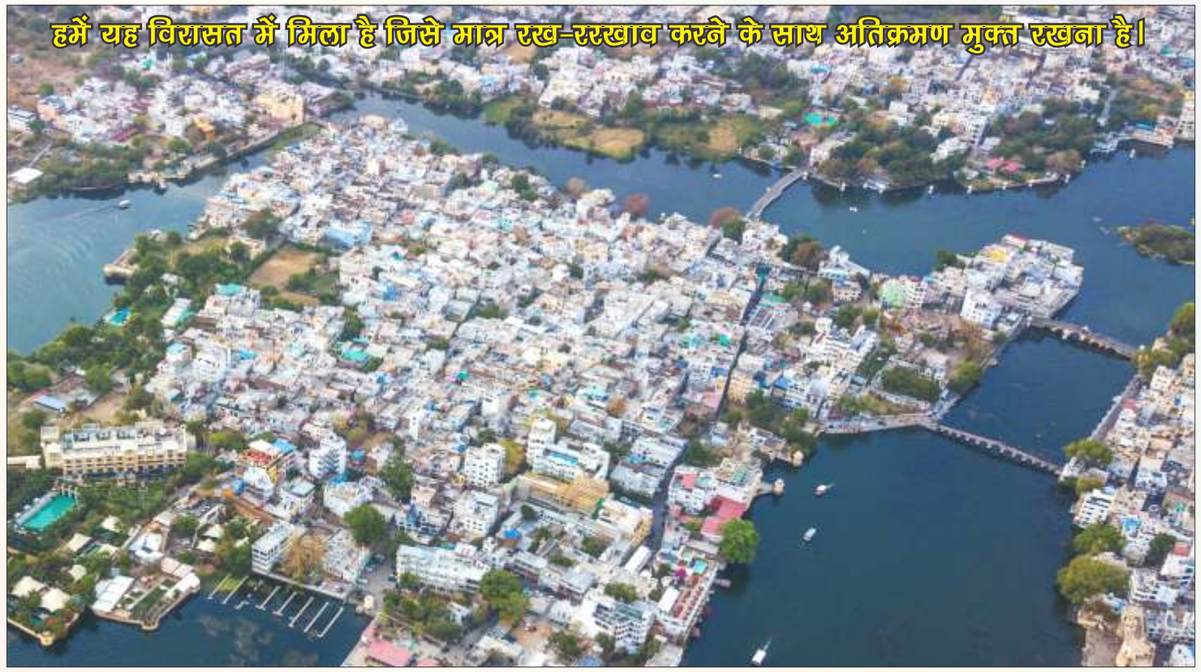

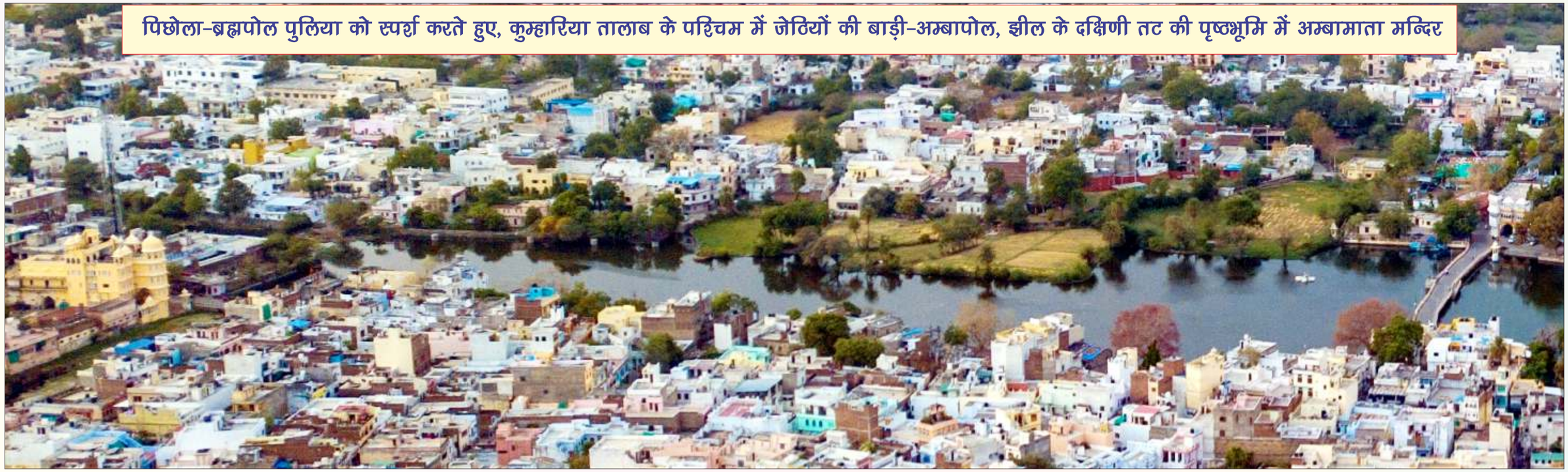

कुम्हारिया तालाब, रंग सागर का पूर्ण भराव स्तर पर अति सुन्दर स्वरूप – अम्बापोल दरवाजे से

क्या इस दृश्य को देखकर हमें गर्व नहीं होगा?

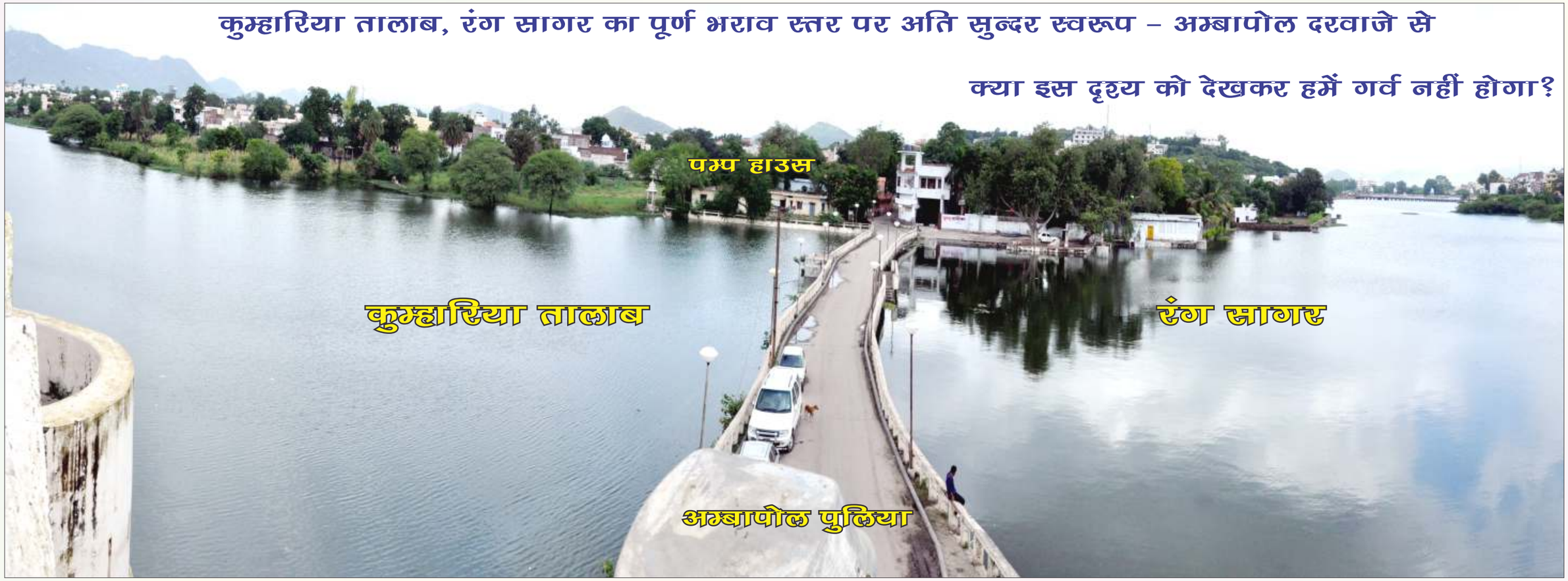

क्या इन झीलों को वर्ष पर्यन्त इसी प्रकार सुन्दर एवं मनोरम नहीं रखा जा सकता? यहाँ नाव संचालन हो, फ्लोटिंग फाउन्टेन हो, किनारों पर व्यवस्थित व्यापारिक गतिविधियाँ हो जिससे पर्यटक आकर्षित होंगे।

कुम्हारिया तालाब – ब्रह्मपोल अन्दर पनघट के पास से

कुम्हारिया तालाब – अम्बापोल दरवाजे से

कुम्हारिया तालाब – अम्बापोल पुलिया से – ऐसे प्रदूषित दृश्य भविष्य में नहीं देखने को मिले, ऐसी अपेक्षा है।

तालाब

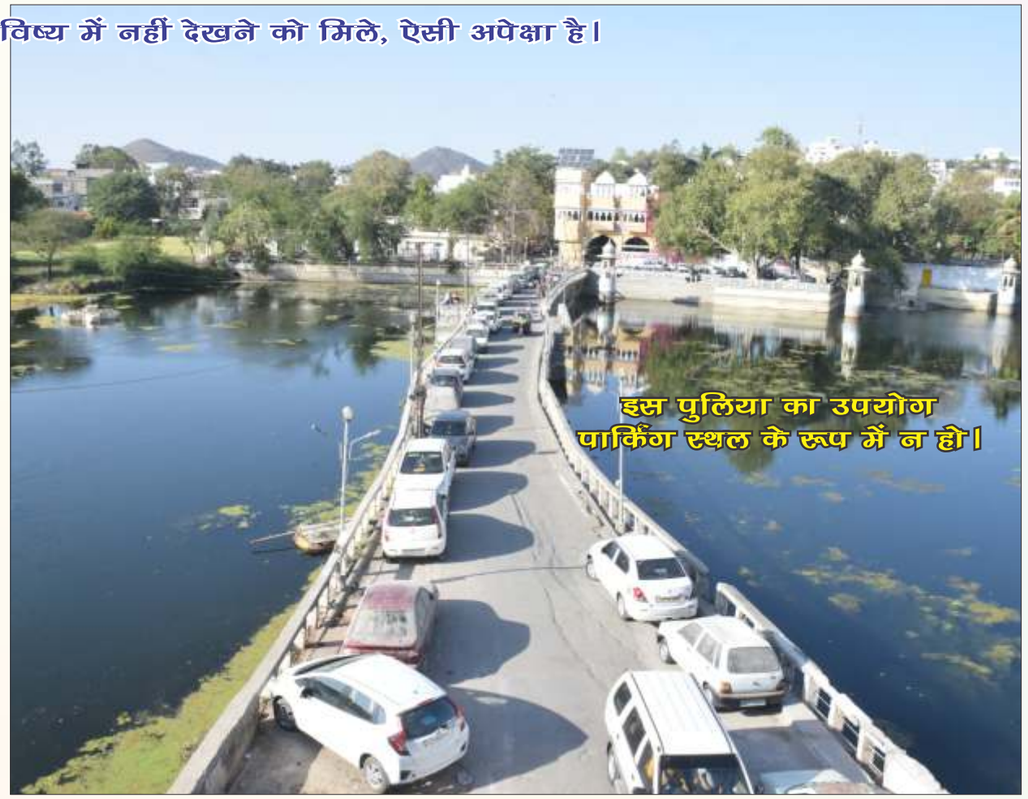

इस पुलिया का उपयोग
पार्किंग स्थल के रूप में न हो।

गन्दे पानी के प्रवेश एवं नियमित सफाई व्यवस्था के अभाव में कुम्हारिया तालाब में जलकुम्भी एवं काई का फैलाव निश्चित है, 15 दिन में एक बार जलकुम्भी व काई को निकाल दिया जाये तो यह तालाब हमेशा साफ नजर आयेगा।

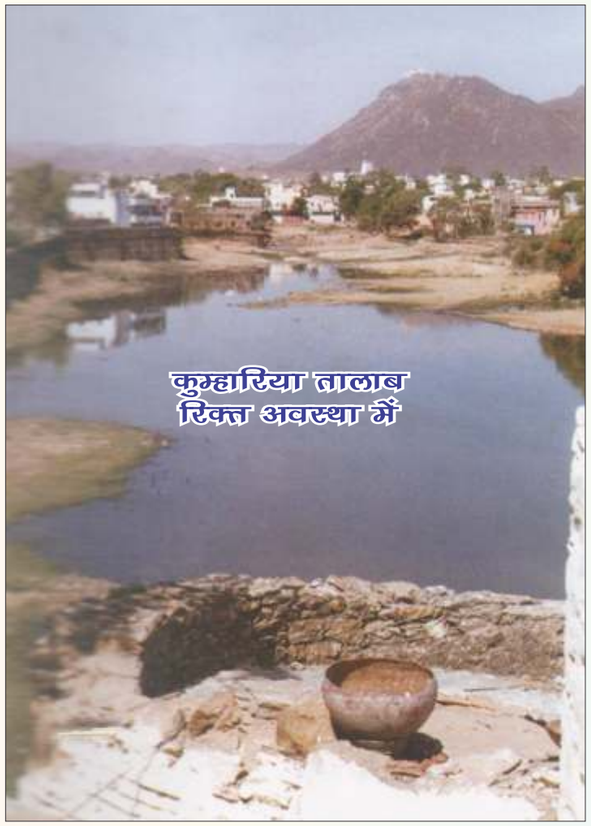

कुम्हारिया तालाब
रिक्त अवस्था में

कुम्हारिया तालाब : प्रदूषक कारक

ब्रह्मपोल पुलिया से कुम्हारिया तालाब

मास्टर कॉलोनी से कुम्हारिया तालाब

मास्टर कॉलोनी से कुम्हारिया तालाब में गन्दगी व नाला

जेठियों की बाड़ी से कुम्हारिया तालाब में पूर्णतया गन्दगी, सीवरेज एवं जलीय घास युक्त क्षेत्र

जेठियों की बाड़ी से कुम्हारिया तालाब में सीवरेज गिरता हुआ एवं निर्बाध फैलती जलीय घास व अतिक्रमण ग्रसित क्षेत्र

कुम्हारिया तालाब मास्टर कॉलोनी से

कुम्हारिया तालाब अम्बापोल पुलिया से : सीवरेज मेन हॉल पर सुन्दर छतरियाँ बना दी गई है।

- शहर कोट के पास झील की ओर एक दरवाजा है, जो शायद पानी लेने या नहाने की सुविधा के लिए बनाया गया था लेकिन वर्तमान में इससे कचरा और गन्दगी झील में डाली जा रही है।
- अम्बापोल पुलिया पर उदयपुर आने वाला प्रत्येक पर्यटक कुम्हारिया तालाब एवं रंगसागर की विहंगम छटा देखने हेतु आता है, क्या पर्यटक इस क्षेत्र पर आकर गन्दगी देखकर प्रसन्न होगा और वह अपने साथ इस गन्दगी में छुपे हुए बीमारियों के जीवाणुओं से प्रभावित नहीं होगा? क्या वे अपने साथ खरपतवार एवं गन्दगी से भरे फोटो नहीं ले जायेगा?

कुम्हारिया तालाब पर विशेषज्ञों के महत्त्वपूर्ण सुझाव

कुम्हारिया तालाब एवं रंग सागर के मध्य स्थित अम्बापोल पुलिया के बीच इन दोनों झीलों को मिलाने वाली 4–4 फीट चौड़ी दो मौखियाँ हैं। कुम्हारिया तालाब के किनारे एवं आसपास बसी हुई घनी बस्तियों से वर्ष पर्यन्त बहकर आने वाला गन्दा पानी प्रथमतया तालाब के जल स्तर में वृद्धि करता है। इसका जल प्रदूषित होने के साथ इसमें जलीय घास, जलकुम्भी, काई आदि में तीव्रता से वृद्धि होती है। जल में ऑक्सीजन की कमी से जलीय जीव, मछली आदि की संख्या में प्रत्याशित कमी आती है। तालाब में जल स्तर की वृद्धि से अम्बापोल पुलिया की मौखियों से प्रदूषित जल रंग सागर–स्वरूप सागर–पिछोला (अमर कुण्ड) में समाहित होता है तथा इन झीलों को प्रदूषित करता है।

कुछ विशेषज्ञों का मत है कि कुम्हारिया तालाब के प्रदूषित जल की स्थिति उदयपुर झील तन्त्र के लिए एक कैन्सर की तरह है जिसे अन्य झील तन्त्र से पृथक किया जाना चाहिये। इस तन्त्र के शेष तालाबों के संरक्षण एवं उनको स्वच्छ रखने की कल्पना नहीं की जा सकती, क्योंकि इन तालाबों में लगभग 50–60 प्रतिशत तक गन्दगी कुम्हारिया तालाब से आती है। इसके लिए कुम्हारिया तालाब को रंग सागर से मिलाने वाली 4–4 फीट चौड़ी दो मौखियों पर कुम्हारिया तालाब की ओर दो अर्द्धवृत्ताकार मेहराब (सेमीसर्कुलर आर्च) बनाने चाहिये ताकि वर्षा ऋतु में तालाब भरने पर अधिक जल मेहराब के ऊपर से बहकर रंग सागर में जा सके। आसपास की बस्तियों से बहकर नियमित आने वाला गन्दा पानी अन्य तालाबों के पानी से न मिले और कुम्हारिया तालाब में ही रुका रहे।

कुछ विशेषज्ञों का यह मत भी है कि उपरोक्त प्रस्ताव से कुम्हारिया तालाब का पानी सदैव प्रदूषित बना रहेगा तथा यह बीमारियों का घर बन जायेगा। इसके अतिरिक्त पिछोला तंत्र में यह एक नासूर साबित होगा। पर्यटक इसे देखकर प्रसन्न तो नहीं होंगे। अतः इसके सुधार के लिए निम्नलिखित बिन्दुओं पर ध्यान दिया जाना चाहिए :–

1. ब्रह्मपोल, जेठियों की बाड़ी, मास्टर कॉलोनी, अम्बामाता आदि क्षेत्रों से आने वाले नाले–नालियों को सीवरेज लाइन से जोड़कर अम्बापोल पुलिया के उत्तर में बने हुए पम्प हाउस से अन्यत्र ले जाना चाहिये या एक एमएलडी या आवश्यकतानुसार एस.टी.पी. लगाकर इसे शुद्ध किया जाकर उक्त जल उस क्षेत्र के उद्यानों को सिंचित करने हेतु उपयोग में लिया जाना चाहिये।
2. इस झील में मछली आखेट पर 10 वर्षों तक पूर्ण प्रतिबन्ध होना चाहिये।
3. प्रत्येक वर्ष 5 लाख मत्स्य बीज इस झील में डाले जाने चाहिये।
4. सीमित क्षेत्र में जल शुद्धीकरण हेतु जलकुम्भी को बनाये रखना चाहिये। सीमा से बाहर फैलने वाली जलीय घास एवं जलकुम्भी को नियमित रूप से हटाया जाना चाहिये।
5. इस तालाब में भी नाव संचालन नियमित रूप से होने के साथ, दो अधिक क्षमता युक्त तैरने वाले फव्वारें स्थापित किये जाने चाहिये। इससे जल में ऑक्सीजन की मात्रा में वृद्धि होगी। जल तल में वायु मिश्रण (एयरेशन) की व्यवस्था भी की जानी चाहिये।
6. इस झील को चारों तरफ से अतिक्रमण मुक्त रखने एवं इसकी सुन्दरता में अभिवृद्धि करने हेतु एक व्यवस्थित रिंग रोड विकसित की जानी चाहिये। इससे झील को गन्दगी मुक्त रखने में भी सुविधा होगी। साथ ही इससे पर्यटन में अभिवृद्धि के साथ स्थानीय निवासियों द्वारा पर्यटकों की आवश्यकतानुसार व्यापारिक प्रतिष्ठान प्रारम्भ कर इस क्षेत्र के लोगों के रोजगार में भी वृद्धि हो सकेगी।
7. इस झील में भी नियमित नाव संचालन (पैडल बोट एवं चप्पू नाव) से स्थानीय नागरिकों के मध्य इस तालाब के प्रति लगाव बढेगा तथा इसे शुद्ध एवं स्वच्छ रखने हेतु जन सहयोग मिलेगा।

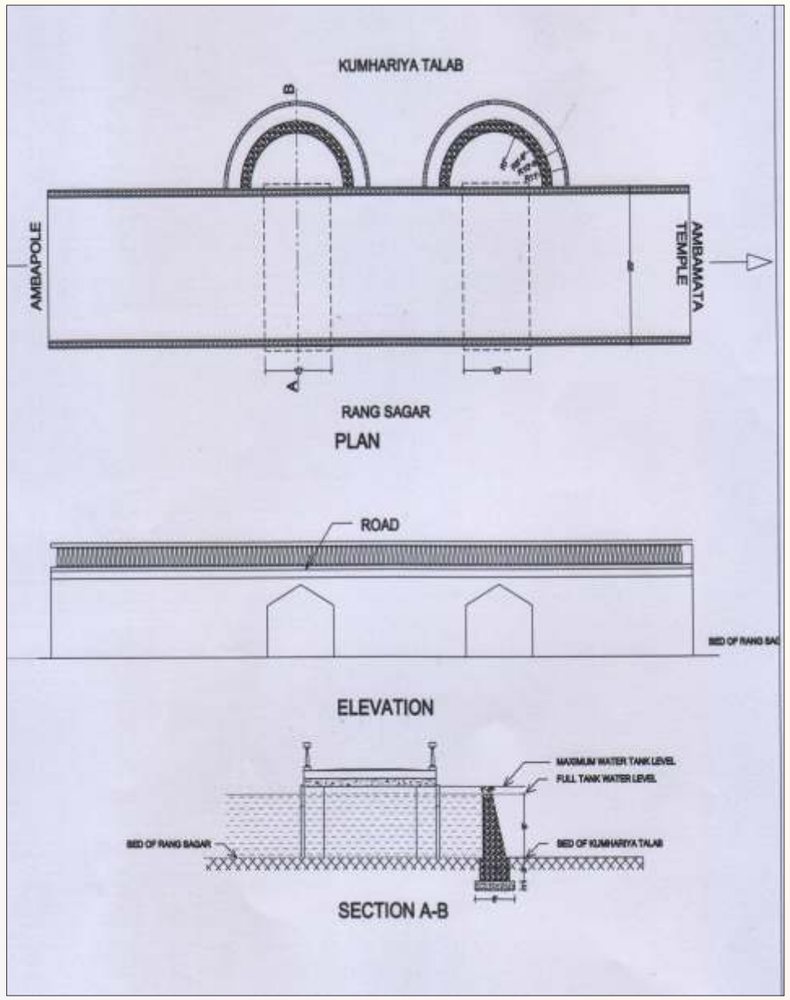

ब्रह्मपोल अन्दर स्थित दरवाजे से कुम्हारिया तालाब पूर्णतया जल से प्लावित सुन्दर दृश्य, इसके चारों ओर रिंग रोड़ बनाकर व्यावसायिक गतिविधियाँ प्रारम्भ की जा सकती है।